

स्थान की पवित्रता से सम्बन्धित निर्देशों का पालन करके अपनी सज्जनता का परिचय दें। मंदिर जैसी पवित्रता एवं गहन अध्यात्म की अनुभूति यदि आप महसूस करना चाहते हैं तो :—

1. संभवतः स्नान करके या हाथ—मुंह धोकर आने का प्रयास करें ।
2. अपने मोजे, बेल्ट इत्यादि बाहर उतारकर जायें ।
3. बच्चों को जरूरी होने पर ही भीतर ले जायें ।
4. अस्पताल से, डॉक्टर के यहाँ से, या किसी शोकसभा से सीधे स्थान पर कभी भूलकर भी ना आये। अत्यंत जरूरी होने पर भी स्नान करके ही आएँ ।
5. अन्दर मोबाइल पूर्णतः बंद रखें ।
6. अपने साथ लाए गए पन्नी, कागज या अन्य कोई भी सामग्री अन्दर या बाहर इधर—उधर ना फेंक कर अपनी सभ्यता का परिचय दें ।
7. अन्दर व्यर्थ की बातचीत, बहस से ज्यादा समय ना लेकर दूसरों को भी मौका दे। क्योंकि हो सकता है बाहर किसी व्यक्ति की समस्या आपकी बहस से ज्यादा महत्वपूर्ण हो।
8. असुविधा से बचने हेतु दो—तीन दिन या एक हफ्ते पूर्व ही अपना अपॉइंटमेंट सुनिश्चित कर लें । अगर आप बाहर से आने वाले हैं तो निकलने से पूर्व एक बार कन्फर्म जरूर कर लें ।
9. ये स्थान सेवाभाव, इष्ट मार्गदर्शन एवं प्रेरणा देने के लिये है। कोई व्यवसायिक संस्थान नहीं है। इसलिये किसी व्यक्ति विशेष की समस्या की गंभीरता को देखते हुए उसको समय कम या ज्यादा दिया जा सकता है। इस से सम्बन्धित व्यर्थ विवाद ना करें । बेहतर होगा यदि आप आपको दिए गए समय से कम से कम एक घण्टे का मार्जिन लेकर चले ।
10. आने से पूर्व दक्षिणमुखी हनुमानजी के मंदिर में उल्टा श्रीफल अपनी परेशानी का संकल्प करके चढ़ाये । एक व्यक्ति के लिये एक श्रीफल चढ़ाये ।
11. अत्यन्त आवश्यक या विस्तृत चर्चा के लिये विशेष समय आरम्भ कर दिया गया है । ये ऐच्छिक और स्वेच्छिक है ।
12. अन्दर आने पर एक व्यक्ति या एक ही समस्या पर मार्गदर्शन लें । क्योंकि बाहर अन्य लोग भी प्रतीक्षा में हैं । उनका भी ध्यान रखें ।
13. अपनी समय सीमा 15—20 मिनट का विशेष ध्यान रखें । असुविधा से बचने हेतु अपनी मुख्य समस्या एक, दो या अधिकतम तीन, सफेद कागज पर लाल स्याही से संक्षेप में लिखकर लाए ।

स्पंदन पारमार्थिक एवं सामाजिक उन्नयन समिति (रजि.)

28, विद्या नगर, उज्जैन (मप्र.) फ़ोन : 456010 मो. : +91-94248 70644

Facebook : sanjay-jain guruji, Twitter : sanjay-jain guruji

14. बैठक के अलावा अपनी समस्या के लिये बार-बार फोन पर परेशान ना करें। बेहतर होगा आप स्वयं आकर बैठक में समाधान पूछ लें। अत्यन्त जरूरी होने पर आप अपनी समस्या मोबाइल से अपने नाम सहित मेसेज कर दें। आपका काम हो जायेगा।
15. झूठे मुंह अन्दर ना जायें।
16. अपनी समस्या बार-बार ना दोहराये। समाधान जानने और समझने का प्रयास करें। इससे आपका ही फायदा होगा।
17. स्थान की व्यवस्था में यदि आपका कोई सुझाव या विचार है तो अवश्य बतायें। रचनात्मक प्रक्रिया यहाँ निरन्तर जारी है।
18. विशेष – जब भी दूसरी बार वापिस आये, तो पहले का पर्चा साथ लेकर आना बहुत जरूरी है।
19. स्थान द्वारा बताई गई किसी भी प्रक्रिया में उस समय प्रसाद नहीं लेना है, टीका नहीं लगाना है, डोरा, हार-फूल इत्यादि नहीं लेना है। श्रीफल हमेशा संकल्प हेतु उल्टा ही चढ़ाना है, जटा भगवान की तरफ और नोक वाला हिस्सा अपनी तरफ रखना है।
20. स्थान पर किसी कार्य हेतु यदि आप संकल्प करते हैं या करवाते हैं तो कार्य पूर्ण होने पर पूर्णाहुति का विशेष ध्यान रखना है।
21. इसके लिये स्थान पर नियमित एवं निरन्तर नियम चलते रहते हैं। जिसकी वजह से कभी-कभी समस्या पलटकर भी आ सकती है। क्योंकि उल्टा श्रीफल चढ़ाने से भगवान भी आपकी कार्यसिद्धि हेतु वचन में बंधे हुए रहते हैं, इसलिये उनका बंधन खोलना अत्यन्त जरूरी है।
22. स्थान पर समस्त प्रकार की बाधा एवं पूजन हेतु नियम प्रक्रिया उपलब्ध है। आप जिस भी इष्ट की पूजा सेवा करना चाहते हैं उनसे संबंधित नियम मांग सकते हो।
23. स्थान पर सामाजिक सेवा एवं परोपकार के माध्यम से सेवा हेतु एक समिति का गठन कर दिया गया है। 'स्पंदन', यदि आप भी इसके सदस्य बनना चाहते हैं या इसकी किसी गतिविधि में शामिल होकर अपना एवं अन्य का जीवन धन्य करना चाहते हैं तो सम्पर्क करके जानकारी ले सकते हैं।
24. स्थान एवं बैठक की व्यवस्था में जो लोग लगे हुए हैं, ये आप लोगों में से ही एक है। इसलिये उनके साथ विनम्रतापूर्वक व्यवहार करते हुए आप स्वयं अपने संस्कारों का परिचय दें एवं हो सके तो व्यवस्था संचालन में उनकी मदद करें। ये भी परोपकार का ही एक स्वरूप है।

स्पंदन पारमार्थिक एवं सामाजिक उन्नयन समिति (रजि.)

28, विद्या नगर, उज्जैन (मप्र.) फ़ोन : 456010 मो. : +91-94248 70644

Facebook : sanjay-jain guruji, Twitter : sanjay-jain guruji

25. कृपया अंदर अपनी किसी गलती या बात के लिये व्यर्थ बहानेबाजी एवं बहस करके, स्थान या स्वयं का कीमती वक्त बर्बाद ना करें । ध्यान रखे, जब गुरुजी को सब कुछ पता ही चल जाता है तो समय ना गवांते हुए अपनी परेशानी या बात स्पष्ट रखें ।
26. जो लोग ध्यान, योग प्रक्रिया जानना, सीखना या अनुभव करना चाहते है, उससे सम्बन्धित संसाधन (साहित्य, सीडी, फ्रेम इत्यादि) उपलब्ध है ।
27. स्थान पर शुद्ध पेयजल, चाय और कॉफी की व्यवस्था आपके लिये ही की गई है। इसलिये बगैर किसी झिझक के इसका लाभ प्रसाद समझकर लें, संकोच ना करें। अनेक बार भी ले सकते हैं।
28. हर विषय की अनेक ज्ञानवर्धक किताबें, स्थान पर उपलब्ध है, इन्हे पढ़कर अपना ज्ञानवर्धन करें एवं खाली समय का सदुपयोग करें ।
29. अत्यन्त उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक पेपर कटिंग की फाईल भी उपलब्ध है आप पढ़कर लाभ ले सकते हैं।
30. टाईम मैनेजमेंट प्रोग्राम भी उपलब्ध है। अपने जीवन की बेहतर प्लानिंग करके अपना सम्पूर्ण कल्याण करें ।
31. वास्तु सम्बन्धी मार्गदर्शन भी आप प्राप्त कर सकते है ।
32. स्थान पर समस्या समाधान की प्रक्रिया अत्यन्त उच्च कोटि की यौगिक क्रियाओं से वैज्ञानिकपद्धति द्वारा की जाती है। इसलिये इसमें नियम समयावधि, परहेज इत्यादि का विशेष ध्यान रखें ताकि आपको सम्पूर्ण लाभ प्राप्त हो सके। मन में पूर्ण आस्था एवं विश्वास बनाये रखें, धैर्य एवं संयम बरतें।
33. यहाँ अंधविश्वास एवं रूढ़िवादी दकियानूसी परम्पराओं का कोई स्थान नहीं है, इस सम्बन्ध में बहस ना करें । यहाँ पर की जाने वाली प्रत्येक प्रक्रिया या समाधान प्रोसेस हेतु एक पूर्णतः ठोस तार्किक प्रक्रिया का पालन किया जाता है। आप स्वयं भी जानकर एवं समझकर सम्पूर्ण फायदा ले सकते हैं ।
34. स्थान द्वारा कभी भी उपवास की सलाह नहीं दी जाती है। इस सम्बन्ध में साहित्य उपलब्ध है । उपवास का निर्णय स्वयं लें ।
35. महिलाओं एवं पुरुषों से विशेष अनुरोध है कि काले कपड़े पहनकर नहीं आयें ।
36. उपलब्ध डायरी में अपना नाम, पूर्ण पता एवं फोन नम्बर नोट कर दें। ताकि जब कोई विशेष प्रक्रिया या अवसर हो तो आपको पहले सूचना मिल जाये । इसके अलावा आप कोई भी जानकारी, समाधान इत्यादि जानना चाहते है तो सम्पर्क कर सकते है ।

स्पंदन पारमार्थिक एवं सामाजिक उन्नयन समिति (रजि.)

28, विद्या नगर, उज्जैन (मप्र.) फ़ोन : 456010 मो. : +91-94248 70644

Facebook : sanjay-jain guruji, Twitter : sanjay-jain guruji